

अफगानिस्तान का आसमान

एना ऊलेट

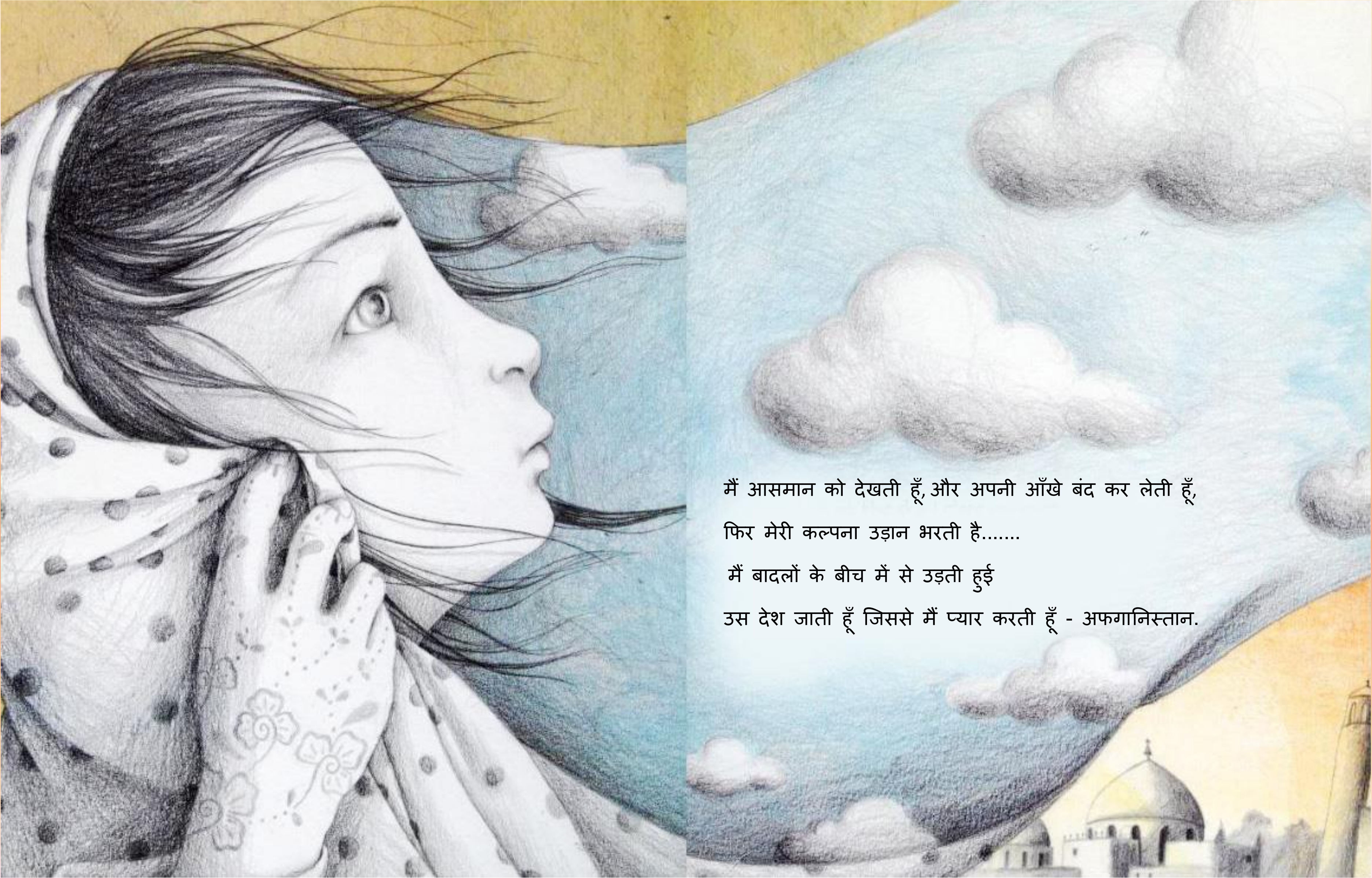
चित्र: सोंजा विमर



अफगानिस्तान का आसमान

एना ऊलेट

चित्र: सोंजा विमर



मैं आसमान को देखती हूँ, और अपनी आँखे बंद कर लेती हूँ,

फिर मेरी कल्पना उड़ान भरती है.......

मैं बादलों के बीच में से उड़ती हुई

उस देश जाती हूँ जिससे मैं प्यार करती हूँ - अफगानिस्तान.

वहां पर बादल, पतंगों से भरे हैं,

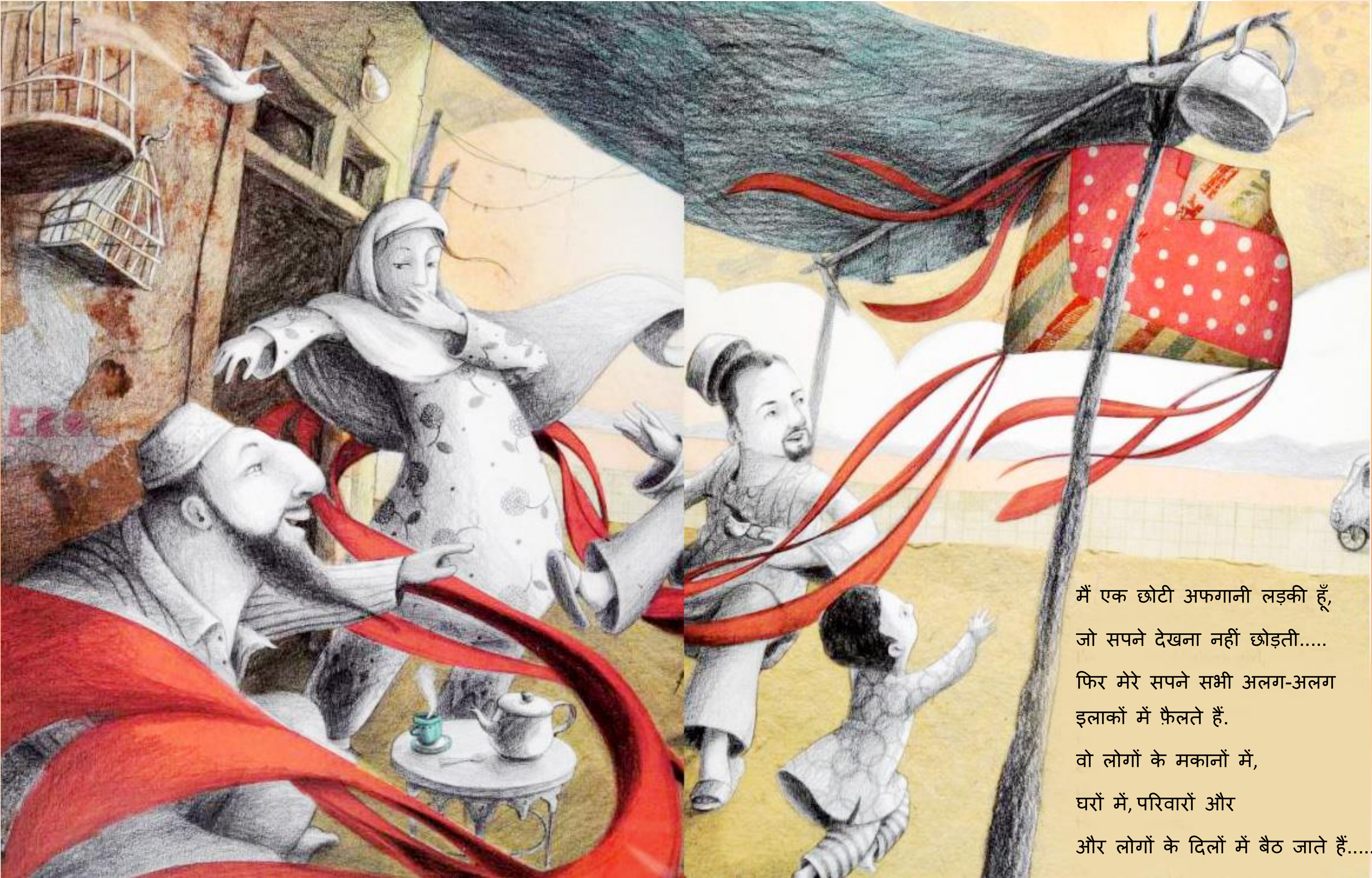
मैं सोचती हूँ

कि वो सपनों से भी भरे हो सकते हैं.....

फिर मेरे सपने आसमान में बहुत ऊंचे उड़ते हैं,

एकदम सितारों के करीब....





मैं एक छोटी अफगानी लड़की हूँ,

जो सपने देखना नहीं छोड़ती.....

फिर मेरे सपने सभी अलग-अलग

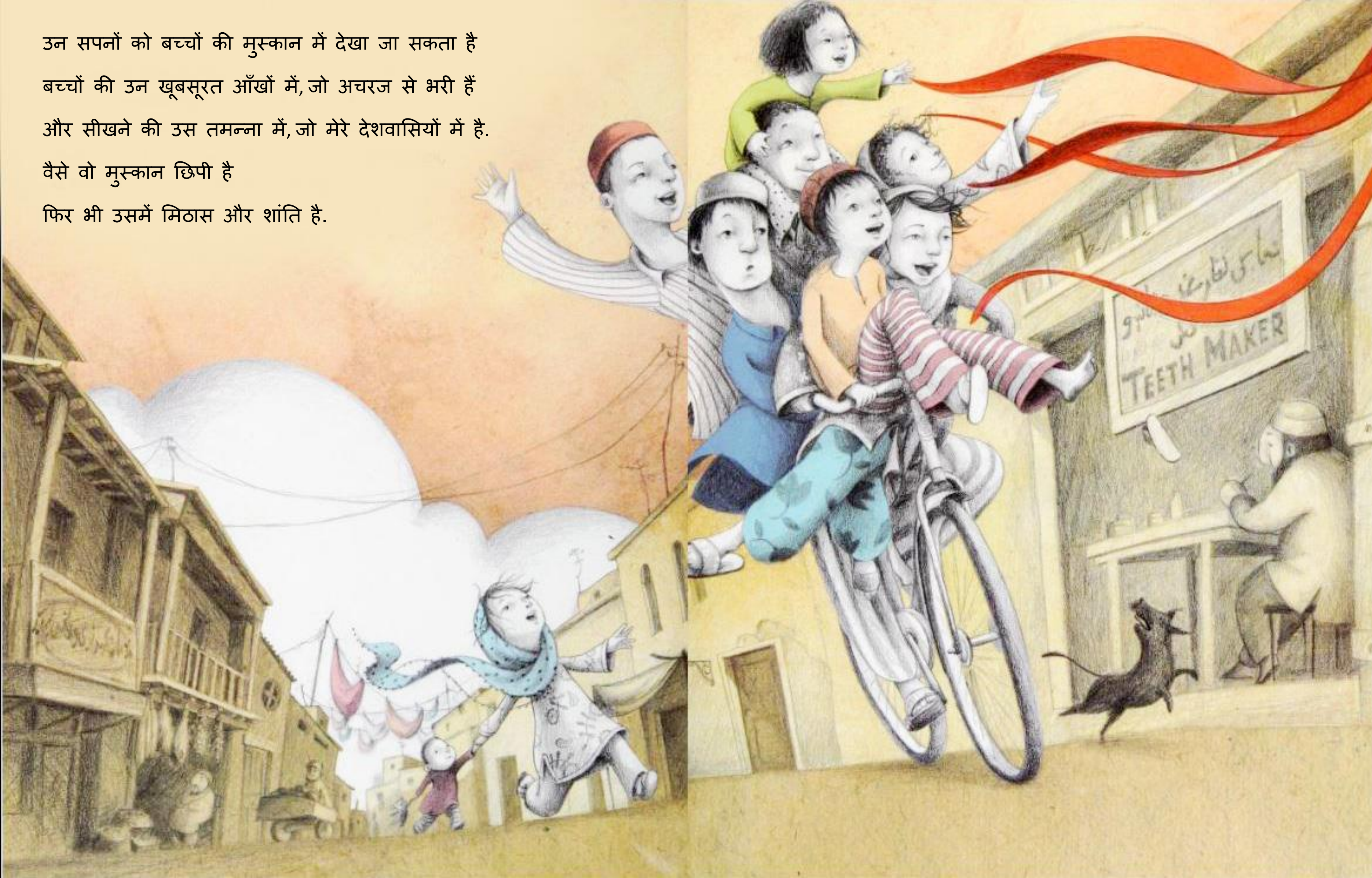
इलाकों में फ़ैलते हैं.

वो लोगों के मकानों में,

घरों में, परिवारों और

और लोगों के दिलों में बैठ जाते हैं.....

उन सपनों को बच्चों की मुस्कान में देखा जा सकता है
बच्चों की उन खूबसूरत आँखों में, जो अचरज से भरी हैं
और सीखने की उस तमन्ना में, जो मेरे देशवासियों में है.
वैसे वो मुस्कान छिपी है
फिर भी उसमें मिठास और शांति है.

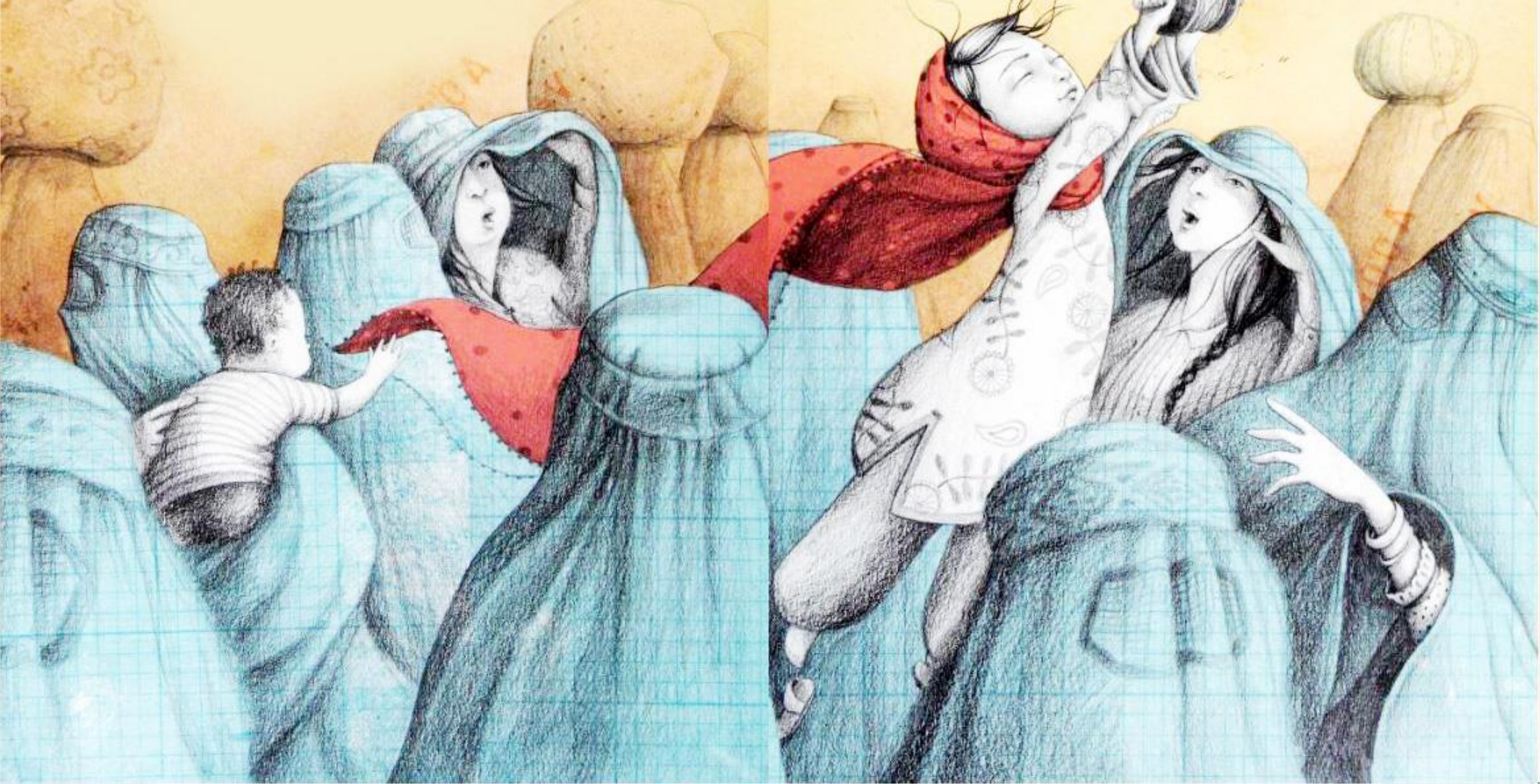


मैं ऊंचे, और ऊंचे उड़ना चाहती हूँ,

आसमान में पतंग की तरह!

जब पतंग हवा से संघर्ष करती हो, तब मैं उसकी खींच को

अपने हाथ में पकड़ी डोर में महसूस करना चाहती हूँ.





मुझे लगता है कि मैं अपने सपने को सच कर पाऊंगी

एक सुन्दर सपना जिसमें हम सभी, एक-दूसरे के हाथ पकड़ेंगे

और फिर हम सबको एक नया मौका मिलेगा

अनंतकाल के लिए अपने पदचिन्हों की छाप छोड़ने का.



इस अनंतकाल में ख़ामोशी का राज होगा
और वहां युद्ध का बिगुल हमेशा के लिए मौन रहेगा.
मैं शांति की चमकीली पतंग उडाऊंगी,
क्योंकि वो करना संभव है, इतना मुझे पक्का पता है.



क्योंकि मैं एक छोटी अफगानी लड़की हूँ,
क्योंकि मेरे अंदर, मेरे हृदय में
बसे हैं मेरे देश के सभी
मासूम लोगों के नाम!
मेरे अंदर बसा है वो भविष्य
जो आशा की नींव पर
मेरे देश को बसाएगा.





मुझे उम्मीद है कि सबकुछ कर पाना संभव होगा
बड़े और भारी दरवाज़ों और खिड़कियों को भी खोलना संभव होगा
जिनसे मैं सीख सकूंगी, और जिनसे मैं सीखना चाहती हूँ.

वहाँ से मैं अपनी पतंग को उड़ा पाऊंगी
आसमान में ऊपर, सितारों के भी परे
एक नए सवेरे की ओर.

और वहां से मैं उस हवा को महसूस करूंगी

जो मेरे चेहरे को सहलाएगी

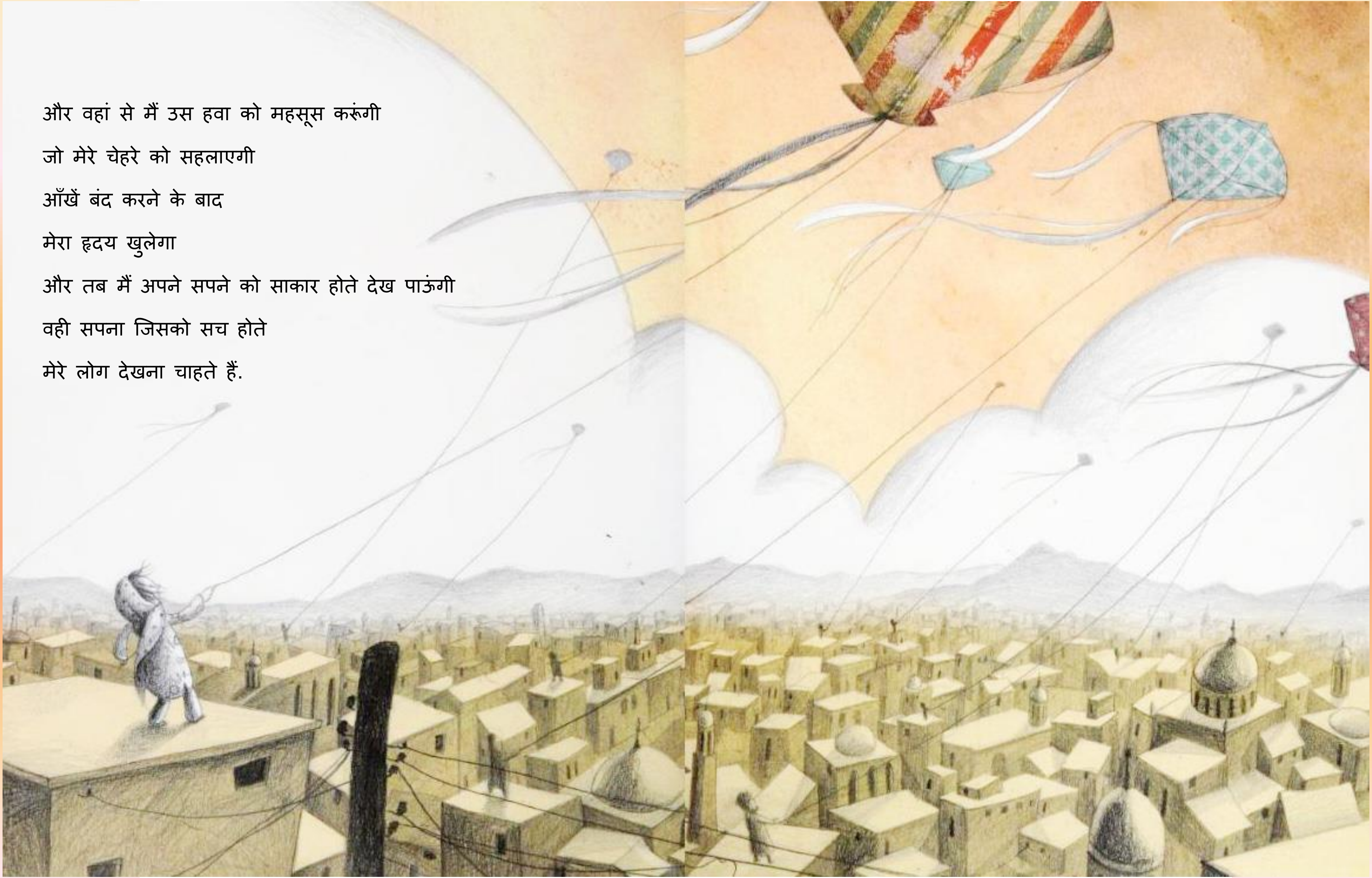
आँखें बंद करने के बाद

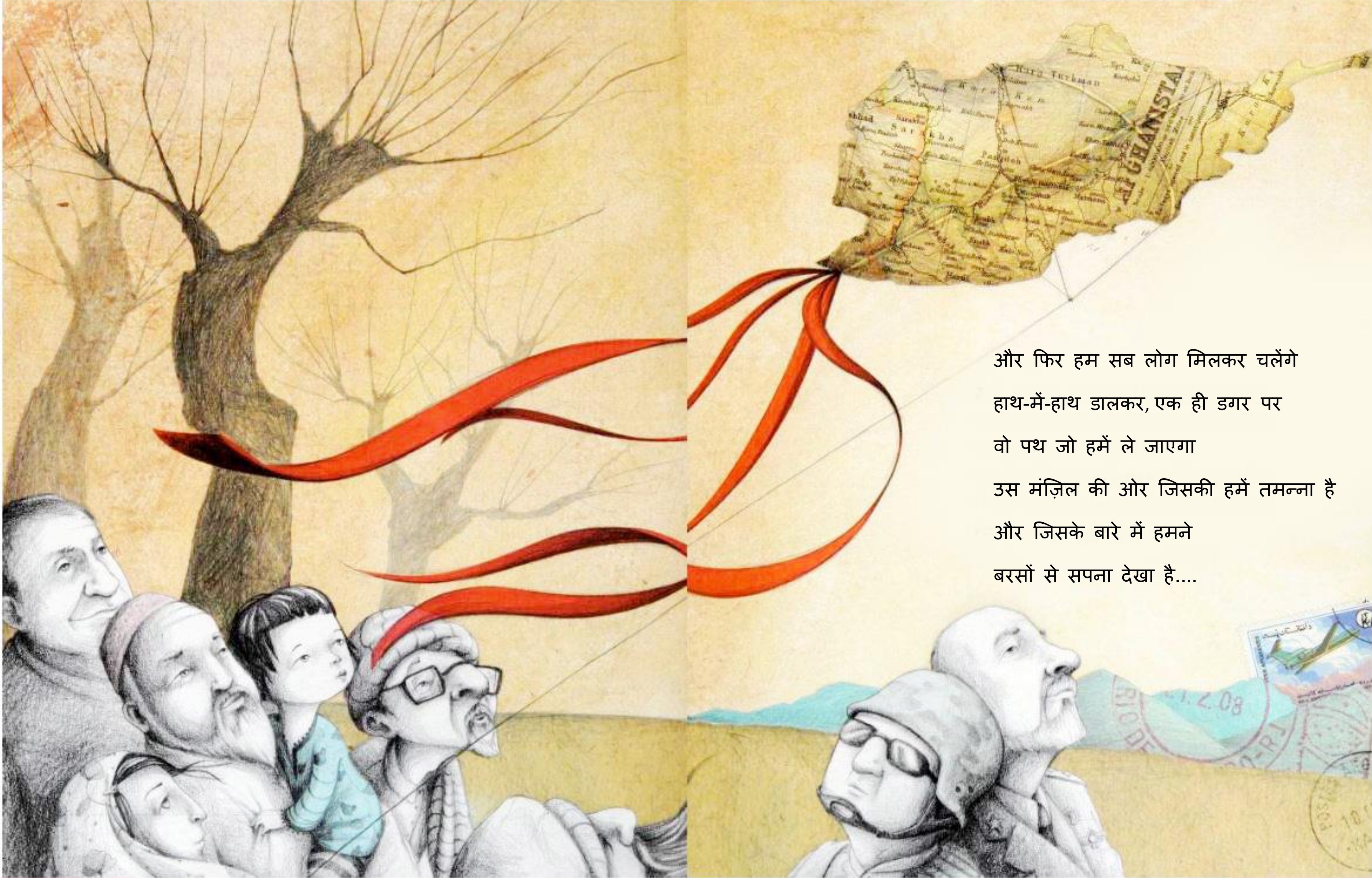
मेरा हृदय खुलेगा

और तब मैं अपने सपने को साकार होते देख पाऊंगी

वही सपना जिसको सच होते

मेरे लोग देखना चाहते हैं.





और फिर हम सब लोग मिलकर चलेंगे
हाथ-में-हाथ डालकर, एक ही डगर पर
वो पथ जो हमें ले जाएगा
उस मंज़िल की ओर जिसकी हमें तमन्ना है
और जिसके बारे में हमने
बरसों से सपना देखा है....





वो जगह जहाँ अमन और चैन होगा

जहाँ लोगों में एकजुटता और भाईचारा होगा....

वो जगह जहाँ शांति होगी!

(माफ़ करें अगर मेरी आँखें आसुंओं से भर गई हों!)